

Rajasthan DISCOMs Receive Gold Award for PM-KUSUM Component-C



Rajasthan DISCOMs received a Gold Award for the best implementation of the Pradhan Mantri Kisan Urja Suraksha evam Utthaan Mahabhiyan (PM-KUSUM) Scheme in January 2026. Union Power Minister Shri Manohar Lal presented the award at the annual function of All India DISCOMs Association (AIDA) in New Delhi. The award was given to the Rajasthan DISCOMs Chairperson Aarti Dogra.

What is PM-KUSUM?

The PM-KUSUM Scheme was launched in 2019 by the Ministry of New and Renewable Energy (MNRE). It aims to encourage the use of solar energy in farming activities, cut down on the use of diesel energy and ensure that farmers have a reliable energy supply and a better income from renewable energy.

The scheme has three major components:

- Component-A: Setting up of decentralised ground/stilt-mounted grid-connected solar or other renewable energy-based power plants.
- Component-B: Installation of Stand-alone Solar Agriculture Pumps.
- Component-C: Solarisation of Grid-Connected Agriculture Pumps, including Feeder-Level Solarisation.

Key Highlights

Particular	Details
Award	Gold Award
Scheme	PM-KUSUM
Component	Component-C
Area	Feeder-Level Solarisation
Awarding Organisation	All India DISCOMs Association (AIDA)
Award Presenter	Union Power Minister Manohar Lal
Award Recipient	Aarti Dogra, Chairperson, Rajasthan DISCOMs
Location	SCOPE Auditorium, New Delhi
Rajasthan achievement	899 plants with 2,333 MW under Component-C
Farmers benefiting	Around 1.41 lakh
Target	1,997 plants with 5,018 MW

Under Components A and C, Rajasthan had installed 1,307 decentralised solar power plants with a combined capacity of 2,877 MW. Under Component-C's Feeder-Level Solarisation (FLS), 899 plants with 2,333 MW capacity had been commissioned, providing daytime electricity to about 1.41 lakh farmers.

Significance

The recognition underscores the developmental journey of Rajasthan towards solarisation at the feeder level, which can enhance the availability of electricity during the day for agricultural activities and foster the use of renewable energy. At the national level, As of 31 December 2025, 21,77,369 farmers had benefited from the PM-KUSUM Scheme across India.

Conclusion

The Gold Award is an indicator of the progress made towards implementation of PM-KUSUM Component-C in Rajasthan. The solarisation of the feeders enables a link between renewable energy and agricultural power supply and, in this way, contributes to a transition towards cleaner energy in rural areas.

MCQs

Q1. Rajasthan DISCOMs received the Gold Award under which PM-KUSUM component?

- A. Component-A
- B. Component-B
- C. Component-C
- D. Component-D

Answer: C

Q2. Who presented the Gold Award to Rajasthan DISCOMs?

- A. R. K. Singh
- B. Manohar Lal
- C. Piyush Goyal
- D. Ashwini Vaishnaw

Answer: B

Q3. Which organisation presented the award?

- A. SKOCH Group
- B. NITI Aayog
- C. All India DISCOMs Association
- D. MNRE

Answer: C

Q4. How many MW has Rajasthan commissioned under PM-KUSUM Component-C?

- A. 1,307 MW
- B. 2,333 MW
- C. 2,877 MW
- D. 5,018 MW

Answer: B

राजस्थान डिस्कॉम्स को पीएम-कुसुम घटक-C के लिए गोल्ड अवॉर्ड

राजस्थान डिस्कॉम्स को प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (PM-KUSUM) योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए जनवरी 2026 में गोल्ड अवॉर्ड प्रदान किया गया। केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली में ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन (AIDA) के वार्षिक समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार राजस्थान डिस्कॉम्स की चेयरपर्सन आरती डोगरा को दिया गया।

पीएम-कुसुम योजना क्या है?

पीएम-कुसुम योजना को 2019 में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य कृषि गतिविधियों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना, डीजल ऊर्जा पर निर्भरता कम करना, किसानों को विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना तथा नवीकरणीय ऊर्जा से किसानों की आय बढ़ाने के अवसर उपलब्ध कराना है।

इस योजना के तीन प्रमुख घटक हैं:

- घटक-A: विकेंद्रीकृत ग्राउंड/स्टिल्ट-माउंटेड ग्रिड-कनेक्टेड सौर या अन्य नवीकरणीय ऊर्जा आधारित विद्युत संयंत्रों की स्थापना।
- घटक-B: स्टैंड-अलोन सौर कृषि पंपों की स्थापना।
- घटक-C: ग्रिड-कनेक्टेड कृषि पंपों का सौरकरण, जिसमें फीडर-स्तरीय सौरकरण शामिल है।

प्रमुख तथ्य

बिंदु	विवरण
पुरस्कार	गोल्ड अवॉर्ड
योजना	पीएम-कुसुम
घटक	घटक-C
क्षेत्र	फीडर-स्तरीय सौरकरण
पुरस्कार प्रदान करने वाली संस्था	ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन (AIDA)
पुरस्कार प्रदानकर्ता	केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल
पुरस्कार प्राप्तकर्ता	आरती डोगरा, चेयरपर्सन, राजस्थान डिस्कॉम्स
स्थान	SCOPE ऑडिटोरियम, नई दिल्ली
राजस्थान की उपलब्धि	घटक-C के तहत 899 संयंत्र, 2,333 मेगावाट
लाभान्वित किसान	लगभग 1.41 लाख

लक्ष्य	1,997 संयंत्र, 5,018 मेगावाट
--------	------------------------------

घटक-A और घटक-C के तहत राजस्थान ने 1,307 विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 2,877 मेगावाट है। घटक-C के फीडर-स्तरीय सौरकरण (FLS) के तहत 899 संयंत्रों की 2,333 मेगावाट क्षमता को चालू किया जा चुका है, जिससे लगभग 1.41 लाख किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

महत्व

यह सम्मान राजस्थान में फीडर-स्तरीय सौरकरण की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है, जिससे कृषि गतिविधियों के लिए दिन के समय बिजली की उपलब्धता बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। राष्ट्रीय स्तर पर, 31 दिसंबर 2025 तक 21,77,369 किसान पीएम-कुसुम योजना से लाभान्वित हुए थे।

निष्कर्ष

गोल्ड अवॉर्ड राजस्थान में पीएम-कुसुम घटक-C के क्रियान्वयन की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है। फीडरों के सौरकरण के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को कृषि बिजली आपूर्ति से जोड़ा जा रहा है और इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को बढ़ावा मिल रहा है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

Q1. राजस्थान डिस्कॉम्स को पीएम-कुसुम योजना के किस घटक के तहत गोल्ड अवॉर्ड मिला?

- A. घटक-A
- B. घटक-B
- C. घटक-C
- D. घटक-D

उत्तर: C

Q2. राजस्थान डिस्कॉम्स को गोल्ड अवॉर्ड किसने प्रदान किया?

- A. आर. के. सिंह
- B. मनोहर लाल
- C. पीयूष गोयल
- D. अश्विनी वैष्णव

उत्तर: B

Q3. यह पुरस्कार किस संस्था द्वारा प्रदान किया गया?

- A. SKOCH Group
- B. नीति आयोग
- C. ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन
- D. MNRE

उत्तर: C

Q4. पीएम-कुसुम घटक-C के तहत राजस्थान ने कितनी मेगावाट क्षमता चालू की है?

- A. 1,307 मेगावाट
- B. 2,333 मेगावाट
- C. 2,877 मेगावाट
- D. 5,018 मेगावाट

उत्तर: B

Establishment of the Aesthetic Office



The **Aesthetic Office** was established to promote and coordinate initiatives related to aesthetics, design, visual presentation, and the cultural environment. Its role is to encourage better standards of beauty, creativity, and artistic expression while supporting organised development in relevant areas.

Key Highlights

Key Point	Details
Purpose	Promote aesthetics, design and visual standards
Focus	Creativity, artistic expression and cultural presentation
Role	Coordinate and support aesthetic initiatives
Approach	Encourage organised and quality-oriented development

Major Functions

The Aesthetic Office can play an important role in planning, coordinating and improving aesthetic standards. It may also support creative projects, public presentation and design-related initiatives.

Why Is It Important?

The establishment of the Aesthetic Office is important because aesthetic planning contributes to better visual presentation, creativity, and cultural development. It offers a structured approach to develop and sustain the values associated with art and consistent design and presentation standards.

Significance

The office represents an institutional approach towards recognising aesthetics as an important part of cultural and creative development. It can aid in linking design, creativity and public presentation in structured initiatives.

Conclusion

The establishment of the Aesthetic Office reflects the importance given to aesthetics, creativity and organised visual development. The office can help to coordinate relevant activities and to promote standards, thus making a contribution to a more structured approach to artistic and aesthetic activities. Its role can extend across design, presentation and cultural expression.

MCQs

1. What was the primary purpose of the Aesthetic Office?

- A) Financial planning
- B) Promoting aesthetics and design
- C) Military training
- D) Tax collection

Answer: B) Promoting aesthetics and design

2. Which area is associated with the Aesthetic Office?

- A) Creativity
- B) Banking
- C) Agriculture
- D) Transport

Answer: A) Creativity

3. What does the office help promote?

- A) Artistic expression
- B) Industrial production

- C) Trade policies
D) Law enforcement

Answer: A) Artistic expression

4. Why is aesthetic planning important?

- A) It improves visual and creative standards
B) It increases taxation
C) It controls elections
D) It manages transport

Answer: A) It improves visual and creative standards

सौंदर्य कार्यालय की स्थापना

सौंदर्य कार्यालय की स्थापना सौंदर्यशास्त्र, डिजाइन, दृश्य प्रस्तुति और सांस्कृतिक वातावरण से संबंधित पहलों को बढ़ावा देने और समन्वित करने के लिए की गई थी। इसका उद्देश्य सौंदर्य, रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति के बेहतर मानकों को प्रोत्साहित करना तथा संबंधित क्षेत्रों में व्यवस्थित विकास को समर्थन देना है।

मुख्य बिंदु

मुख्य बिंदु	विवरण
उद्देश्य	सौंदर्यशास्त्र, डिजाइन और दृश्य मानकों को बढ़ावा देना
मुख्य फोकस	रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुति
भूमिका	सौंदर्य संबंधी पहलों का समन्वय और समर्थन करना
दृष्टिकोण	व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण विकास को प्रोत्साहित करना

प्रमुख कार्य

सौंदर्य कार्यालय सौंदर्य संबंधी मानकों की योजना बनाने, उनके समन्वय और सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह रचनात्मक परियोजनाओं, सार्वजनिक प्रस्तुति और डिजाइन से संबंधित पहलों को भी समर्थन प्रदान कर सकता है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

सौंदर्य कार्यालय की स्थापना महत्वपूर्ण है क्योंकि सौंदर्य संबंधी योजना बेहतर दृश्य प्रस्तुति, रचनात्मकता और सांस्कृतिक विकास में योगदान देती है। यह कला से जुड़े मूल्यों को विकसित करने और बनाए रखने तथा डिजाइन और प्रस्तुति के मानकों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करता है।

महत्व

यह कार्यालय सौंदर्यशास्त्र को सांस्कृतिक और रचनात्मक विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानने की संस्थागत सोच को दर्शाता है। यह डिजाइन, रचनात्मकता और सार्वजनिक प्रस्तुति को व्यवस्थित पहलों के माध्यम से जोड़ने में सहायता कर सकता है।

निष्कर्ष

सौंदर्य कार्यालय की स्थापना सौंदर्यशास्त्र, रचनात्मकता और व्यवस्थित दृश्य विकास के महत्व को दर्शाती है। यह कार्यालय संबंधित गतिविधियों के समन्वय और बेहतर मानकों को बढ़ावा देने में सहायता कर सकता है, जिससे कलात्मक और सौंदर्य संबंधी गतिविधियों के लिए अधिक व्यवस्थित दृष्टिकोण विकसित होता है। इसकी भूमिका डिजाइन, प्रस्तुति और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति जैसे विभिन्न क्षेत्रों तक विस्तारित हो सकती है।

MCQs

1. सौंदर्य कार्यालय की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?

- A) वित्तीय योजना
- B) सौंदर्यशास्त्र और डिजाइन को बढ़ावा देना
- C) सैन्य प्रशिक्षण
- D) कर संग्रह

उत्तर: B) सौंदर्यशास्त्र और डिजाइन को बढ़ावा देना

2. निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र सौंदर्य कार्यालय से संबंधित है?

- A) रचनात्मकता
- B) बैंकिंग
- C) कृषि
- D) परिवहन

उत्तर: A) रचनात्मकता

3. यह कार्यालय किसे बढ़ावा देने में सहायता करता है?

- A) कलात्मक अभिव्यक्ति
- B) औद्योगिक उत्पादन
- C) व्यापार नीतियां
- D) कानून प्रवर्तन

उत्तर: A) कलात्मक अभिव्यक्ति

4. सौंदर्य संबंधी योजना क्यों महत्वपूर्ण है?

- A) यह दृश्य और रचनात्मक मानकों में सुधार करती है
 - B) यह करों में वृद्धि करती है
 - C) यह चुनावों को नियंत्रित करती है
 - D) यह परिवहन का प्रबंधन करती है
- उत्तर: A) यह दृश्य और रचनात्मक मानकों में सुधार करती है

RASonly